16/11/22 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उप०। पत्रावली वास्ते विपार्थी के जवाब हेतु आईन्दा दिनांक 21/12/22 को पेश हो।

21/12/22 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उप०। पत्रावली वास्ते विपार्थी के जवाब हेतु आईन्दा दिनांक 05/01/2023 को पेश हो।

05/01/23 पत्रावली पेश हुई ।पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो मे व्यस्त है,मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 10/02/23 को पेश हो।

10/2 पत्रावली पेश हुई ।पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो मे व्यस्त है,मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 10/3 को पेश हो।

10/3/23 अधिवक्तागण हड़ताल मे होने के कारण पत्रावली आईन्दा दिनांक 24/3/23 को पेश हो।

24/3/23 - पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी अवकाश मे होने के कारण पत्रावली आइन्दा दिनांक 27/3/23 को पेश हो।

27/03/23 पत्रावली पेश हुई प्रार्थी वकील उप०। प्रार्थी वकील ने निवेदन कि उपरोक्त उनवान का वादपत्र न्यायालय में विचाराधीन था जो न्यायालय द्वारा दिनांक 26.08.2022 को वकील वादीगण व वादीगण द्वारा न्यायालय में उपस्थित नही होने की वजह से वादपत्र को अदम हाजरी व अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया। दिनांक 26/08/22 को हमारे वकील अन्य न्यायालयो मे दीगर कार्यों में व्यस्त होने की वजह से तथा हमारे को उक्त प्रकरण की तारीख पेशी की जानकारी नही होने की वजह से उक्त प्रकरण को अदम पैरवी व अदम हाजरी मे खारिज कर दिया गया। आज से 4-5 दिन

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
पहले जब वादीगण मोहरन आये तथा अपने वकील से सम्पर्क कर उक्त पत्रावली की जांच पड़ताल की तो उन्हें ज्ञात हुआ कि उक्त पत्रावली दिनांक 26/08/22 को अदम पैरवी व अदम हाजरी में खारिज कर दी गई। वादीगण पेशी दर पेशी अदालत में हाजिर रहे तथा किसी वकील की गलती की सजा पक्षकार को नहीं दी जा सकती है वादीगण का प्रार्थना पत्र अंदर म्याद स्वीकार फरमाया जाकर वादपत्र पुनः बरामद किये जाने का आदेश फरमाया जाये। प्रार्थीगण वकील द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को न्यायहित में स्वीकार किया जाता है। पत्रावली को पुनः बरामद के आदेश दिये जाते हैं। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। (हस्ताक्षर)	